

के मानस पुत्र माने जाने के साथ-साथ ऋग्वेद के सातवें मंडल के रचयिता कहे गए हैं, इन्हें 'वसिष्ठ के रूप में भी जाना जाता है 2. सप्तर्षि मंडल का एक तारा जिसके पास का छोटा तारा अरुधंती कहलाता है।

वशी वि. (तत्.) 1. जो किसी के वश में हो, वशीभूत 2. जिसने अपनी इच्छा शक्ति और इंद्रियों को वश में कर रखा हो।

वशीकरण पुं. (तत्.) 1. दूसरों को अपने वश में करने, रखने अथवा लाने की क्रिया या भाव, वश में करना 2. तंत्र में एक प्रकार का प्रयोग जिसमें मंत्र-बल से किसी को अपने वश में किया जाता है 3. ऐसा साधन जिससे किसी को वशीभूत किया जा सके या किया जाता है।

वशीकृत वि. (तत्.) वश में किया हुआ, मंत्र द्वारा वश में किया हुआ।

वशीभूत वि. (तत्.) 1. वश में आया अथवा किया हुआ, अधीन, पराधीन 2. वशीकरण मंत्र द्वारा अधीन किया हुआ 3. मुग्ध, मोहित 4. सम्मोहित।

वश्य वि. (तत्.) 1. वश करने योग्य 2. वश में किया हुआ, जीता हुआ 3. आज्ञाकारी 4. अवलंबित पुं. दास, अनुचर स्त्री. लवंग।

वषट् अव्य. (तत्.) यज्ञ करते हुए अग्नि में आहुति देते समय उच्चारण किया जाने वाला एक विशिष्ट शब्द जैसे- इंद्राय वषट्, 'पूष्णे वषट्'।

वष्कय पुं. (तत्.) एक वर्ष का बछड़ा।

वष्कयाणी/वष्कयिणी स्त्री. (तत्.) बहुत दिनों की ब्यायी हुई गौ या वह गाय जिसका बछड़ा बहुत बड़ा हो गया हो, बकेना गाय।

वसंत पुं. (तत्.) 1. वर्ष की छः ऋतुओं में से प्रथम ऋतु, जिसके अंतर्गत चैत्र और वैशाख मास की गणना की जाती है, मौसम बहार उदा. 1. कौन हो तुम वसंत के दूत विरस पतझड़ में अति सुकुमार कामायनी 2. मूर्तिमान ऋतु जिसे कामदेव के सखा के रूप में माना गया है 3. एक उत्सव जो वसंत ऋतु के आगमन का सूचक

होता है और माघ शुक्ल पंचमी को मनाया जाता है।

वसंतघोषी पुं. (तत्.) कोकिल, कोयल।

वसंतजा स्त्री. (तत्.) 1. 'वसंत पंचमी' नामक उत्सव, वसंतोत्सव 2. माधवीलता/वासंती लता, वासंती 3. सफेद जूही।

वसंत तिलक पुं. (तत्.) 1. वसंत ऋतु में उपयोग में लाया जाने वाला एक आभूषण 2. एक पौधा और उसके पुष्प।

वसंततिलका स्त्री. (तत्.) एक वर्णिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में तगण, मगण, जगण, भगण और दो गुरु, इस प्रकार कुल मिलाकर चौदह वर्ण होते हैं।

वसंतदूत पुं. (तत्.) 1. वसंत के आगमन की सूचना देने वाला, कोयल 2. चैत्रमास 3. आम्रबौर संगी. पंचमराग।

वसंतदूती स्त्री. (तत्.) 1. पाटली वृक्ष, पाडल का पेड़ 2. माधवी लता 3. कोयल, कोकिल, पिक।

वसंत पंचमी स्त्री. (तत्.) 1. वसंत ऋतु के आगमन के उपलक्ष्य में माघ शुक्ल पंचमी को मनाया जाने वाला एक विशिष्ट पर्व, इसी दिन सरस्वती पूजा भी की जाती है, श्री पंचमी।

वसंत पूजा वि. (तत्.) माघ शुक्ल पंचमी के दिन आयोजित होने वाला सरस्वती पूजा का उत्सव।

वसंतबंधु पुं. (तत्.) वसंत सखा, कामदेव का एक नाम।

वसंतमहोत्सव पुं. (तत्.) 1. प्राचीन काल में वसंत पंचमी (माघ शुक्ल पंचमी) के अगले दिन मनाया जाने वाला एक विशेष उत्सव जिसमें वसंत और मदन (कामदेव) की पूजा का विधान था, मदनोत्सव, वसंतोत्सव 2. होली का उत्सव, होलिकोत्सव।

वसंत विषुव पुं. (तत्.) खगो. 1. वह विशेष क्षण जब सूर्य दक्षिण से उत्तर को जाते हुए क्रांतिवृत्त को पार करता सा प्रतीत होता है 2.